C M Y K

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में शनिवार
सायं 7:11 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में रविवार
सुबह 5:13 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 17 अंक 4 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | शनिवार, 14 जून 2025

वर्ष 1973 में हुए बाबा नीब करौरी...पेज-3 पर

कैंची धाम मेला: बाबा नीब करौरी महाराज को अर्पित कंबल का महत्व

नैनीताल

अफजल हुसैन, फौजी

आस्था व श्रद्धा का प्रतीक कैंची धाम इन दिनों श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। जहां देश-विदेश से लाखों भक्त नीब करौरी बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं। बाबा की अलौकिक उपस्थिति और चमत्कारों की कहानियों से जुड़ा यह स्थान भक्तों के लिए श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। जनसामान्य के साथ फिल्मी जगत, राजनीति, खेल जगत से जुड़ी कई बड़ी हस्तियां कैंची धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन कर चुकी हैं। कैंची धाम में विशेष तौर पर नीम करौली बाबा को कम्बल चढ़ाने की परंपरा बेहद लोकप्रिय है। दूर दूर से श्रद्धालु कैंची धाम पहुंचकर बाबा को कंबल चढ़ाते हैं। इसका कारण है कि नीम करौली बाबा को कंबल अत्यंत प्रिय थे। और बाबा अपने शरीर में सिर्फ धोती और कंबल ओढ़ते थे. बाबा गरीबों को भी कंबल दान करने और भोजन करवाने की सलाह देते थे, यही कारण है कि आज भी बाबा को श्रद्धा से भक्तों द्वारा कम्बल चढ़ाया जाता है।

....संबंधित पेज 3 पर

बीमारों का कम्बल से उपचार

मान्यता है कि यदि घर में कोई बीमार व्यक्ति हो, और उसे पूरे श्रद्धा भाव से यह कंबल ओढ़ाया जाए, तो उसे रोगों से मुक्ति मिल सकती है। यही कारण है कि भक्तों की आस्था इस कंबल से जुड़ी हुई है. बाबा के कम्बल को घर में पूजा वाली जगह यां फिर शुद्ध स्थान पर रखा जाता है। कैंची धाम के आस-पास की दुकानों में आपको कई तरह के कंबल बिकते हुए नजर आ जाएंगे, जिन्हें श्रद्धालु बाबा को अर्पित करने के लिए खरीदते हैं. यह परंपरा न केवल बाबा की स्मृति से जुड़ी है, बल्कि लोगों की आस्था, विश्वास और भक्ति का जीता-जागता प्रतीक भी है. इस प्रकार बाबा का कंबल आज भी हजारों लोगों के लिए बाबा के प्रति आस्था का माध्यम बना हुआ है।

कम्बल के अनेक चमत्कार

कैंची धाम ट्रस्ट से जुड़े भुवन बिष्ट बताते हैं कि बाबा के चमत्कारों में भी कंबल की भूमिका रही है। कई बार बाबा ने इसी कंबल से चमत्कार दिखाए, जिनका वर्णन उनकी जीवनी और किताबों में मिलता है, वहीं बाबा को कंबल वाले बाबा के नाम से भी जाना जाता है. श्रद्धालु जब बाबा को कंबल चढ़ाते हैं, तो मंदिर में मौजूद पुजारी कम्बल को बाबा की मूर्ति से छुआकर प्रसाद के तौर पर वापिस देते हैं. जिसे श्रद्धालु अपने घर ले जाते हैं. इसे बाबा का प्रसाद और आशीर्वाद माना जाता है. यह कंबल भक्त अपने घर के पूजा स्थान में रखते हैं या फिर किसी पवित्र स्थान पर सुरक्षित रखते हैं. कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर भी बाबा को कंबल चढ़ाते हैं।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर पहुंचे रुद्रपुर, अपराध समीक्षा बैठक की

पर्यटकों की वापसी के चलते लगी वाहनों की कतार

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराध पर पूर्ण अंकुश लगाने के अपने संकल्प के तहत अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था डॉ. वी मुरुगेशन रुद्रपुर पहुंचे। पुलिस कार्यालय पहुंचने पर एडीजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने

जनपद की उच्चस्तरीय अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में घटित अपराधों की स्थिति का गहन विश्लेषण करना और भविष्य की रणनीति तैयार करना था। एडीजी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति %जीरो टॉलरेंस% की नीति अपनाई जाए और किसी भी स्तर पर विवेचना या विभागीय कार्य में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के निर्देश दिए। ताकि पुलिस पर आमजन का

विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि संदिग्धों पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक के बाद एडीजी ने पुलिस कार्यालय का कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। बैठक में आईजी रिधिम अग्रवाल, एसएसपी मणिकांत मिश्रा,एसपी क्राइम निहारिका तोमर, एसपी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी, एसपी काशीपुर अभय सिंह, सीओ सिटी प्रशांत कुमार, सीओ पंतनगर डीआर वर्मा समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में दिए गए प्रमुख और कड़े दिशा-निर्देश निम्नलिखित हैं-

विवेचनाओं का त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण हो: एडीजी ने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों को सर्किलवार अपराधों की समीक्षा की और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विवेचनाओं का निस्तारण निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। साक्ष्य संकलन को प्राथमिकता देते हुए विवेचनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। ताकि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके और न्याय सुनिश्चित हो।

वारंटी और कुर्की की शत-प्रतिशत कार्रवाई हो: एडीजी ने लंबित वारंटी और कुर्की की शत-प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि अपराधी सलाखों के पीछे हो।

अपराध नियंत्रण,कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने,पुलिस कार्यप्रणाली में और अधिक दक्षता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम: एडीजी डॉ. वी. मुरुगेशन ने समीक्षा बैठक दौरान ऊधमसिंहनगर जनपद में अपराध नियंत्रण,कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और पुलिस कार्यप्रणाली में और अधिक दक्षता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपराधियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

नैनीताल। पर्यटक नगरी नैनीताल में बारिश के बाद पर्यटकों की वापसी के चलते नगर की अपर मालरोड पर वाहनों की कतार लग गई। तल्लीताल से मॉलरोड के पुस्तकालय तक लगी वाहनों की कतार से पर्यटक व लोगों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा। शुक्रवार सुबह तेज बारिश से कई पर्यटक वापस लौटे। इससे अपर मॉलरोड में वाहनों का जमावड़ा लग गया। देखते ही देखते वाहनों की कतार तल्लीताल से मॉलरोड के पुस्तकालय तक लग गई। इस दौरान लोगों के वाहन कतार में फंसे रहे। जिससे पर्यटक व स्थानीय लोग परेशान रहे। पुलिस ने यातायात व्यवस्थित कर शहर से वाहनों की निकासी की। जिसके बाद यातायात सुचारू हो पाया। एसपी यातायात व अपराध डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अस्थायी पार्किंग स्थलों पर बिना होटल बुकिंग वाले वाहनों को रोका गया। जहां से शटल सेवा के माध्यम से पर्यटकों को नैनीताल व्यवस्था की गई

योग शिविर श्रृंखला का शुभारंभ

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नगर के समीपवर्ती देवीधूरा के श्री ऐपाल देवता राजकीय इण्टर कालेज में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार और राज्य स्वच्छ गंगा मिशन नमामि गंगे उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को योग शिविर श्रृंखला का शुभारंभ किया गया है।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के योग विभाग द्वारा 21 मई 2015 से जून 2025 तक आओ हम सब योग करें अभियान की कड़ी में कुमाऊँ विश्वविद्यालय डी एस बी परिसर के योग विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. दीपा आर्या और योग प्रशिक्षक शुभम विश्वकर्मा के नेतृत्व में एमए चतुर्थ समेस्टर की छात्रा इशिता राजपूत द्वारा श्री ऐपाल देवता राजकीय इण्टर कालेज परवाडागर कालेज के प्रधानाचार्य विनोद कुमार जीना व समस्त स्टाफ के सहयोग से योगाभ्यास कराया जा रहा है। शिविर में प्रतिभागियों को योग के नियमित अभ्यास से होने वाले लाभो की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, अभियान के मुख्य उद् ?देश्य पर प्रकाश डालते हुए ईशिता ने बताया कि इस पहल का मुख्य लक्ष्य योग के प्रति जागरुकता फैलाना तथा समाज को शारीरिक मानसिक और आत्मिक रूप से स्वस्थ बनाना है।

ट्रांजिट कैंप पुलिस जानलेवा हमले में एक साल से फरार चल रहा आरोपी को दबोचा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

थाना ट्रांजिट कैंप में युवती पर जानलेवा हमले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने एक साल बाद गिरफ्तार कर लिया है।

बाद में उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक ट्रांजिट कैंप मोहन चन्द्र पांडेय ने बताया कि 28 जुलाई 2024 को वनखंडी फेस वन ट्रांजिट कैंप निवासी हरिओम पुत्र देवी दयाल की पुत्री काजल पर वहीं के ही विक्की पुत्र गौतम मंडल ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पेट पर चाकू से वार कर दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपियों पर प्राथमिकी पंजीकृत कर विक्की व अनूप राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि शाहू फार्म पिपरिया गजरौला पीलीभीत निवासी प्रताप फरार हो गया था। तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी लेकिन वह नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया। टीम में एसआई विजय कुमार समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

NEWS / फटाफट

नैनीताल काठगोदाम रोड पर ने कई डेंजर जोन

नैनीताल। नैनीताल काठगोदाम रोड पर कई स्थान डेंजर जोन बन गए हैं। बारिश के दौरान कई स्थानों में भारी मात्रा में मलबा गिर रहा है। जिससे सड़क बंद होने की भी संभावना है। बता दें कि नैनीताल काठगोदाम रोड पर बरसात के दौरान कई स्थानों पर मलबा गिरने से कई बार सड़क बंद हो जाती है। जिसको साफ करने के लिए एनएच की ओर से दो से तीन जेसीबी लगाई जाती हैं। इधर बरसात शुरू होते ही मलबा गिरना शुरू हो गया है। जिसके चलते सड़क में पत्थर मलबा जमा होने से यातायात प्रभावित हो रहा है। शुक्रवार को भी भारी बारिश के दौरान हनुमानगढ़ी, बल्दियाखान और नैनागांव में भारी मात्रा में मलबा गिरा है। जिससे हनुमानगढ़ में कलमठ भी बंद हो गया है। वहीं बल्दियाखान और नैनागांव में पहाड़ी से गिरा मलबा सड़क किनारे जमा हो रहा है। जिससे ज्यादा भीड़ के दौरान यातायात प्रभावित हो रहा है। एनएच के सहायक अभियंता प्रमोद सुयाल ने बताया कि जल्द ही सड़क से मलबा हटा दिया जाएगा। बताया कि दो जेसीबी सड़क में तैनात की गई हैं।

343वें दिन भी जारी रहा पौधरोपण आंदोलन

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट को लेकर चलाया जा रहा अनूठा पौधरोपण आंदोलन आज 343वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरु रानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत स्लोगन। देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत पर्यटको को पौधारोपण से जोड़ा। उनके नेतृत्व में पलेटा स्थित धूसाखान शिव मंदिर परिसर में पौधारोपण किया। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण आंदोलन जारी रहेगा।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

419 जांबाज बने भारतीय सेना का हिस्सा, नौ मित्र देशों के 32 कैडेट्स भी पास आउट

देहरादून

हमारे संवाददाता

भारतीय सेना को शनिवार को 419 युवा अफसर मिले। ये अफसर आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद पासआउट होकर सेना में बतौर लेफ्टिनेंट अपनी सेवाएं शुरू करेंगे। इस दौरान नौ मित्र राष्ट्रों के 32 कैडेट भी पासआउट होकर अपनी सेनाओं का अंग बने।

तन, मन और जीवन देश को समर्पित करने की शपथ के साथ भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) से शनिवार को 419 जेंटलमैन कैडेट भारतीय सेना का हिस्सा बने। इसके साथ ही नौ मित्र देशों के 32 कैडेट भी पासआउट हुए। भव्य पासिंग आउट परेड में श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासंथा रोड्रिगो ने बतौर

रिव्यूइंग ऑफिसर शिरकत कर परेड की सलामी ली। शनिवार सुबह 6 बजकर 38 मिनट पर मार्कर्स कॉल के साथ परेड का आगाज हुआ। इसके बाद कंपनी सार्जेंट मेजरों ने ड्रिल स्क्वायर पर अपनी-अपनी जगह संभाली। 6 बजकर 42 मिनट पर एडवांस कॉल के साथ कैडेट्स कदमताल करते हुए परेड मैदान में पहुंचे। श्रीलंका के सेना प्रमुख ने परेड का निरीक्षण कर कैडेट्स का हौसला बढ़ाया। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित भी किया गया।

राजस्व उप निरीक्षकों की उपस्थिति को रोस्टर तैयार

नैनीताल

हमारे संवाददाता

तहसील कालाढूंगी अन्तर्गत कार्यरत राजस्व उप निरीक्षकों का राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्रान्तर्गत बैठने का समय नियत न होने के कारण सामान्य जनता के राजकीय कार्यों का समयान्तर्गत सम्पादन न हो पाने के संबंध में विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा समय समय पर समस्या से अवगत कराए जाने और क्षेत्रीय जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के दृष्टिगत जिलाधिकारी वंदना के निर्देशं के क्रम में तहसील कालाढूंगी में कार्यरत राजस्व उप निरीक्षकों के उनके राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए उप जिलाधिकारी कालाढूंगी परितोष वर्मा द्वारा रोस्टर निर्धारित किया गया है।

इस सम्बन्ध में आदेश जारी करते हुए उप जिला अधिकारी कालाढूंगी परितोष वर्मा ने अवगत कराया कि क्षेत्र की जनता के विभिन्न कार्यों एवं समस्याओं के समाधान के लिए राजस्व उप निरीक्षकों को क्षेत्र में अनिवार्य रूप से उपस्थित हेतु दिवस निर्धारित किए गए हैं।

जारी आदेश के क्रम में तारा चन्द्र घिल्डियाल, गेबुवा मोबाइल नंबर 9412124354 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन गेबुआ खास में बैठकर राजस्व कार्यों का संपादन करेंगे।

इसी प्रकार जीतेन्द्र मिश्रा हंसरामपुर, मोबाइल नंबर 9410170493 सोमवार को पंचायत भवन हंसरामपुर में, कमलेश पंत रामपुर मोबाइल नंबर 9997117172 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन रामपुर, हरीश गिरी कालाढूंगी बंदोबस्ती मोबाइल नंबर 901 28 51 938 प्रत्येक सोमवार को तहसील मुख्यालय कालाढूंगी में,हिमांक्षी आर्या पतलिया मोबाइल नंबर 941135 1636 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन पतलिया में, अभय कुमार नौदा मोबाइल नंबर 7017 1 89194 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन नौदा, आशुतोष चंद्र बेलपड़ाव मोबाइल नंबर 639 5 665863 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन बैल पड़ाव, इकबाल अहमद कमोला मोबाइल नंबर 9411167143 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन कामोला में,पुष्पा भंडारी गुलजारपुर राम सिंह मोबाइल नंबर 901 2851 938 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन गुलजारपुर, जीवन चंद्र बंदरजूड़ा, मोबाइल नंबर 81265 49296 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन बंदरजूड़ा में, मनोज कुमार उप्रेती नाथू नगर मोबाइल नंबर 7017073301 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन नाथूनगर तथा पंकज बन्दुड़ी आवलाकोट मोबाइल नंबर 892 38 55701 प्रत्येक सोमवार को पंचायत भवन आवलाकोट में बैठकर राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों को संपादित करेंगे।

उप जिलाधिकारी कालाढूंगी ने सभी राजस्व उप निरीक्षकों को निर्धारित दिवसों पर अनिवार्य रूप से अपने-अपने राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र में उपस्थित रहकर राजकीय कार्यों का समयाअंतर्गत संपादन करने के निर्देश दिए हैं।

अभिमत

जिंदगी की फिक्र नहीं

तम्बाकू से कैंसर के अलावा अनेक बीमारियां होती हैं। इस मामले में विभिन्न देशों की सरकारें भी जिम्मेदार हैं। सरकार तम्बाकू से बनने वाली नशीली चीजों पर रोक नहीं लगाती है। सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू के पदार्थों पर टैक्स से कमाई होती है। राजस्व प्राप्ति के लालच में तम्बाकू संबंधी पदार्थों का उत्पादन और व्यापार धड़ल्ले से होता है। इसका दूसरा पहलू यह है कि तम्बाकू से मिलने वाले राजस्व से कहीं ज्यादा बीमार लोगों के इलाज पर खर्च करना पड़ता है।

नशीले पदार्थों की लत से छुटकारा दिलाने के लिए चेतावनी और सख्त कानून का भी कोई असर लोगों पर नहीं पड़ रहा है। हर साल लाखों लोग तम्बाकू से मारे जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में 15 साल से अधिक उम्र के 26 करोड़ लोग अलग-अलग तरह से तंबाकू का इस्तेमाल करते हैं। भारत में तम्बाकू की वजह से हर साल 13 लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। हर 10 सेकंड में दुनिया में एक व्यक्ति तंबाकू के सेवन से मर जाता है। विडम्बना यह है कि नशा करने वाले आसपास के लोगों को भी मौत के मुंह में झोंक देते हैं, दुनिया में सेकंड-हैंड स्मोकिंग से हर साल 13 लाख लोग मर जाते हैं। दरअसल सिगरेट पीने वाला जो धुआं छोड़ता है, पास बैठे व्यक्ति के सांस लेने पर असर पड़ता है। बहुत से 15 वर्ष के किशोर भी तम्बाकू का किसी न किसी रूप में सेवन करने लगे हैं। तम्बाकू से कैंसर के अलावा अनेक बीमारियां होती हैं। इस मामले में विभिन्न देशों की सरकारें भी जिम्मेदार हैं। सरकार तम्बाकू से बनने वाली नशीली चीजों पर रोक नहीं लगाती है। सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू के पदार्थों पर टैक्स से कमाई होती है। राजस्व प्राप्ति के लालच में तम्बाकू संबंधी पदार्थों का उत्पादन और व्यापार धड़ल्ले से होता है। इसका दूसरा पहलू यह है कि तम्बाकू से मिलने वाले राजस्व से कहीं ज्यादा बीमार लोगों के इलाज पर खर्च करना पड़ता है। तम्बाकू का उत्पादन सिर्फ किसी औषधि के लिए आवश्यक हो तो किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा तम्बाकू के पैकेट और सिगरेट के डिब्बे पर चेतावनी तथा सख्त कानून दिखावा मात्र है। तम्बाकू मिश्रित पान मसाले के पाउच पर रोक लगा दी गई। इसके बाद पान मसाला कंपनियों ने तम्बाकू का पाउच अलग तथा कत्था और सुपारी का पाउच अलग बनाकर बेचना शुरू कर दिया। अब लोग पान मसाले में तम्बाकू मिलाकर खाते हैं। इसी तरह सिगरेट की बिक्री पर कोई पाबंदी नहीं है। ट्रेन, बस और कार्यालय में सिगरेट पीने को प्रतिबंधित किया गया है, जबकि सार्वजनिक स्थान पर लोग सिगरेट के धुएं में जिंदगी उड़ाते रहते हैं। भारत में 42 प्रतिशत पुरुष और 14 प्रतिशत महिलाएं तम्बाकू का सेवन करती हैं। गली-मोहल्ले की दुकानों पर भी स्मैक तथा चरस वाली सिगरेट अवैध रूप से बिक रही हैं। छात्र और युवाओं के साथ ही उम्रदराज लोगों को नशे की लत छुड़ाने के लिए व्यायाम, योग, ध्यान और गहरी सांस की तकनीक के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

वर्ष 1973 में हुए बाबा नीब करौरी ब्रह्मलीन

नैनीताल

अफजल हुसैन फौजी

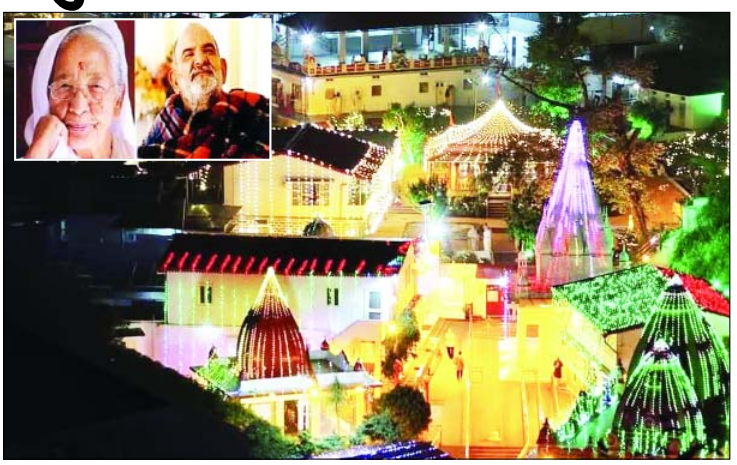

उत्तराखंड के नैनीताल में स्थित प्रसिद्ध कैंची धाम तथा नैनीताल मे स्थिति हनुमानगढ़ी मंदिर है जहाँ बाबा भी विराजमान है। वर्ष 1973 में नीम करौरी बाबा के ब्रह्मलीन होने के बाद, श्री मां ने ही कैंची धाम में आने वाले भक्तों का मार्गदर्शन किया और उन्हें बाबा की शिक्षाओं व दिव्य स्वरूप के बारे में जानकरी दी जाती थी। बाबा और श्री मां की पहली मुलाकात नैनीताल के हनुमानगढ़ी मंदिर के निर्माण कार्य के दौरान हुई थी। नीम करौरी बाबा के ब्रह्मलीन होने के पश्चात, उनकी आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में सिद्धि मां को माना गया। भक्त उन्हें श्रद्धापूर्वक श्री मां कहकर बुलाया करते थे। नीम करौली बाबा श्री मां से कहा करते थे मां, तू जहां भी रहेगी, वहीं मंगल होगा। बाबा के जाने के बाद श्री मां ने कैंची धाम की संपूर्ण व्यवस्थाओं को संभाला और आश्रम को एक सशक्त आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित किया। इस दौरान कैंची धाम ट्रस्ट के प्रबंधक प्रदीप साह ने बताया कि सिद्धि मां स्वयं एक सिद्ध स्वरूपा संत थी। वह जब नैनीताल के हनुमानगढ़ी मंदिर का निर्माण हो रहा था तब महाराज ठंडी सड़क स्थित पाषाण देवी मंदिर में लेटे हुए थे। तब अचानक उन्होंने अपने ठीक सामने माल रोड में स्थित इंडिया होटल की तरफ इशारा करते हुए अपने सेवक से कहा की पूरन देख, ठीक सामने कात्यायनी रहती है। जिसके लिए हमें इन पहाड़ों में आना पड़ा। महाराज जी ने बता दिया था की सिद्धि मां कात्यायनी का स्वरूप है। मां का परिवार भी महाराज के साथ जुड़ा हुआ था। प्रदीप साह ने बताया कि जिस तरह भगवान श्री राम के लिए हनुमान जी थे ठीक उसी प्रकार बाबा नीब करौरी के लिए श्री मां सेवक थी।

अल्मोड़ा जिले मे सिद्धि मां का जन्म में हुआ था। उनकी 7 बहने थीं। मां का विवाह नैनीताल निवासी तुलाराम साह से हुआ, जिनका नैनीताल के माल रोड में स्थित इंडिया होटल के नाम से होटल था मां वहीं रहा करता थी। उनके पति नीम करौली बाबा के परम भक्त थे। जिसके बाद मां बाबा की भक्त बन गई और अपने पति के निधन के बाद अपना घर त्याग दिया । बाबा के साल 1973 में ब्रह्मलीन होने से पहले नीम करौली बाबा ने अपनी सारी शक्तियां सिद्धि मां को सौंप दी थी। सिद्धि मां प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को कैंची धाम में भक्तों को दर्शन दिया करती थी।उनके दर्शन के लिए बड़ी संख्या मे भक्तों का ताता लगा रहता था।

चारधाम यात्रा अब तक 28 लाख श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा श्रद्धालुओं की आस्था का अद्भुत संगम बन गई है। यात्रा के 45 दिनों में अब तक 28 लाख से अधिक श्रद्धालु चारधाम—केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री—के साथ हेमकुंड साहिब के दर्शन कर चुके हैं। सबसे अधिक 10 लाख श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे, जहां प्रतिदिन औसतन 70 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा का शुभारंभ 30 अप्रैल से हुआ।

शुरुआती दौर से ही मौसम की अनिश्चितता और चुनौतियों के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह थमा नहीं। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार चारों धामों और हेमकुंड साहिब में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या यात्रा की लोकप्रियता को दर्शा रही है।यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था भी की गई है।

गायक नरेंद्र कुमार के बाबा नीब करौरी बाबा को समर्पित भजन चरणवंदनम लांच

नैनीताल

हमारे संवाददाता

गायक नरेंद्र कुमार द्वारा बाबा नीब करौरी बाबा को समर्पित भजन चरणवंदनम रविवार को लांच किया जाएगा। बाबा को समर्पित यह उनका छठा भजन है। इसके अलावा कुमाऊनी समेत हिंदी में कई गीत गा चुके हैं।

नैनीताल निवासी गायक नरेंद्र कुमार ने बताया कि वह हनुमान के साथ बाबा के भक्त रहे हैं। उनके प्रति समर्पण की भावना शुरू से रही है और पिछले कुछ वर्षों से 15 जून को कैंची धाम के स्थापना दिवस पर बाबा को समर्पित भजन लांच करते हैं। इस बार भजन चरणवंदनम तैयार किया है। भक्तिभाव के साथ बाबा के अनुयायियों को यह भजन अवश्य पसंद आएगा। दो वर्ष पहले गाया भजन घोर अंधेरा, एक किरण तू, दुखी मन मेरा, किस ओर देखे,,, लोगों का सर्वाधिक पसंदीदा भजन है। वह कुमाऊनी देवी देवताओं पर आधारित भजन भी गा चुके हैं। कोविड लॉक डाउन के दौरान जागरूकता पर आधारित गीत भी लोगों ने खूब पसंद किया। इसके साथ ही हिंदी फिल्मी गीतों की गायिकी की लंबी फेहरिस्त रही है। नरेंद्र कुमार खुद गंभीर प्रकृति के हैं और प्रत्येक गायिकी में गंभीरता का दर्द झलकता है। जिस कारण उनके गीतों को पसंद किया जाता है। नरेंद्र के नए भजन को संगीत शब्बीर अहमद ने दिया है, ज्योति सक्सेना और रिकॉर्डिंग व संपादन नवल सक्सेना ने किया है।

फिल्मी दुनिया

रिपोर्ट: संजय के खेल के दौरान मधुमक्खी निगलने से हुई थी मौत

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर के निधन से हर कोई हैरान है। संजय का अंतिम संस्कार दिल्ली में किया जाएगा। भारतीय उद्योगपति और करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन लंदन में गुरुवार को एक पोलो मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने से हो गया। 53 साल के संजय कपूर ऑटो कंपनी सोना कोमस्टार के प्रमुख थे और अपने सोशल और बिजनेस नेटवर्क के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे। उनकी अचानक हुई मौत ने उद्योग जगत से लेकर बॉलीवुड तक सभी को हिला कर रख दिया है। लंदन में हो रहे पोलो मैच के दौरान संजय अचानक गिर पड़े। चश्मदीदों के मुताबिक, उन्होंने गिरने से पहले कहा, 'मैंने कुछ निगल लिया है।' दरअसल कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय ने खेल के दौरान एक मधुमक्खी निगल ली थी, जिससे उन्हें एलर्जी हुई और दिल का दौरा पड़ा। हालांकि उनकी कंपनी द्वारा जारी ऑफिशियल बयान में मौत का कारण सिर्फ हार्ट अटैक बताया गया है।

संजय के करीबी दोस्त और जाने-माने बिजनेस विशेषज्ञ सुहेल सेठ ने बातचीत में कहा कि ये घटना बहुत दुखद है और उनके मुताबिक संजय की मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई, जो जाहिर तौर पर मधुमक्खी निगलने की वजह से हुआ होगा। हालांकि, इस तथ्य की पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। संजय की मौजूदा पत्नी प्रिया सचदेव के पिता अशोक सचदेव ने एक निजी चैनल को बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम लंदन में किया जा रहा है और जरूरी कागजी कार्यवाही पूरी होते ही शव भारत लाया जाएगा। अंतिम संस्कार दिल्ली में किया जाएगा। उनके अमेरिकी नागरिक होने की वजह से कानूनी औपचारिकताओं में कुछ समय लग सकता है।

अनुमान: चार लाख से अधिक श्रद्धालु कैंची मेले में होंगे शामिल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कैंची धाम का 61वां स्थापना दिवस हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी हर साल बढ़ रही है। अनुमान है कि 15 जून को 4 लाख से अधिक श्रद्धालु कैंची मेले में शामिल होंगे। ऐसे में शासन-प्रशासन और पुलिस की चुनौतियां भी बढ़नी तय है। ऐहतियात के तौर पर इस बार धाम में पहली बार एसएसबी और आईटीबीपी की भी तैनाती रहेगी। बीते साल के मुकाबले इस बार धाम में और अधिक सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। पुलिस, पीएसी और पीआरडी जवानों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पुलिस तीन तरह का फोकस रहेगा। पार्किंग की बेहतर व्यवस्था, क्राउड मूवमेंट और सुरक्षा व्यवस्था पर बेहतर ध्यान दिया जाएगा। इन तीनों बिंदुओं पर अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। जरूरत पड़ने पर यातायात डायवर्जन भी किया जाएगा। एसएसपी ने बताया चारधाम यात्रा में भी इस बार आईटीबीपी और एसएसपी की व्यवस्था के निर्देश गृह मंत्रालय से मिले हैं। वहीं व्यवस्था कैंची धाम के स्थापना दिवस पर भी लागू रहेगी। बताया कि तीन कंपनी पीएसी और शेष सिविल पुलिस की भी ड्यूटी रहेगी।

इस तरह से रहेगा रूट डायवर्जन

ज्योलीकोट से अल्मोड़ा, जागेश्वर, बागेश्वर व अन्य पहाड़ी क्षेत्रों को जाने वाले सभी छोटे/टैक्सी वाहनों को मस्जिद तिराहा भवाली से नैनीबैंड-2 से नैनीबैंड-1 से खुटानी बैंड से मुक्तेश्वर होते हुए क्वारब की ओर भेजा जाएगा। भीमताल की ओर से पहाड़ की ओर जाने वाले वाहनों को खुटानी बैंड से मुक्तेश्वर होते हुए क्वारब भेजा जाएगा। अल्मोड़ा, बागेश्वर आदि से हल्द्वानी जाने वाले वाहनों को क्वारब से डायवर्ट कर नथुवाखान, मुक्तेश्वर से खुटानी बैंड से भीमताल होते हुए हल्द्वानी भेजा जाएगा। रानीखेत से हल्द्वानी जाने वाले सभी छोटे/टैक्सी वाहनों को खैरना से क्वारब, नथुवाखान, मुक्तेश्वर से खुटानी बैंड से भीमताल होते हुए भेजेंगे।

News कॉर्नर

ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में मिला अधेड़ का शव, सनसनी

रुद्रपुर। थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में एक अधेड़ का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर वहां मौजूद लोगों से जानकारी ली। बाद में पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। बताया जा रहा है कि ट्रांजिट कैंप की शमशान घाट रोड़ पर लोगों ने सड़क किनारे एक अधेड़ व्यक्ति को बेसुध हालत में पड़ा देखा। इसी बीच वहां पर लोगों की भीड़ जमा होने लगी। इसी दौरान किसी ने इसकी जानकारी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौका मुआयना किया। लोगों से भी जानकारी ली। पुलिस ने लोगों से उसकी पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन कोई भी उसे नहीं पहचान पाया। पुलिस ने अधेड़ को जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस पहुंचाया। उसकी शिनाख्त की कोशिश शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र लगभग 60 वर्ष है।

कार से ब्लैक फिल्म हटाई, पर्यटक का चालान

नैनीताल। राजस्थान से आए पर्यटकों को कार के शीशों पर काली फिल्म लगाना महंगा पड़ गया। पुलिस ने काली फिल्म हटाकर वाहन स्वामी पर चालानी कार्रवाई की। जयपुर निवासी राजेश कुमार स्कॉर्पियो से नैनीताल घूमने आए थे। तल्लीताल पुलिस चौकी के पास वाहन रोककर फोटो खींचने लगे। ड्यूटी पर तैनात एएसआई सुनील कुमार ने वाहन हटाने को कहा, लेकिन पर्यटक ने अनसुना कर शीशे चढ़ा लिए। पुलिस ने जब काले शीशे देखे तो कार्रवाई करते हुए पर्यटक को बाहर बुलाया और फिल्म हटाने को कहा।

नैनीताल में बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त, जलभराव

नैनीताल

हमारे संवाददाता

पर्यटक नगरी नैनीताल में मौसम विभाग द्वारा उत्तराखंड की ऊंचाई वाले हिस्सों में जारी बारिश के अलर्ट के बाद नैनीताल में सुबह से मूसलाधार बारिश जारी है बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बारिश के चलते शहर की सड़कों पर जलभराव हो गया है, जिससे वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं।बारिश के कारण माल रोड, तल्लीताल और मल्लीताल जैसे व्यस्त क्षेत्रों में ट्रैफिक बाधित हुआ है। बाजारों में भी सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों ही मौसम की मार से परेशान हैं। स्कूली बच्चों और ऑफिस जाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नैनीताल भवानी मोटर मार्ग में कुछ जगहों पर मलवा गिरने की भी सूचना मिली है, हालांकि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। चार घंटे की बारिश ने शुक्रवार को नैनीताल में यातायात को प्रभावित किया ही, साथ में जनजीवन भी अस्त-व्यस्त कर दिया। मूसलाधार बारिश से सड़कें जलमग्न हो गईं। तल्लीताल में एक दर्जन दुकानों में बारिश का पानी घुसने से दुकानदारों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। लोग कई घंटों तक घरों में ही कैद रहे। भवाली और कालाढूंगी हाईवे पर मलबा आने से करीब आधा घंटा यातायात बाधित रहा। शुक्रवार को सुबह साढ़े नौ बजे से नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। दोपहर डेढ़ बजे तक लगातार बारिश होती रही। मूसलाधार बारिश के चलते नैनीताल में यातायात और जनजीवन खासा प्रभावित रहा। कई घंटों तक बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। बारिश के कारण शहर की कई सड़कों पर जलभराव हो गया है। नाले और नालियां उफान पर रहे। तल्लीताल क्रांति चौक से कलेक्ट्रेट की तरफ रैमजे बाजार में में करीब एक दर्जन दुकानों में पानी भर गया। क्रॉकरी विक्रेता विजय कश्यप की दुकान के अंदर से पानी किसी बड़े नाले की तरह बाहर आता दिखा। पास की ही कई अन्य दुकानों में भी जलभराव हुआ। नैनीझील में भी कचरा समा गया। हाईवे आधा घंटा बाधित रहे लोनिवि के अधिशासी अभियंता रवेश सक्सेना ने बताया की बारिश के दौरान मलबा आने से नैनीताल-कालाढूंगी व नैनीताल-भवाली हाईवे करीब आधा घंटे तक बाधित रहा। जेसीबी मशीनें लगाकर मलबा हटाकर मार्गों को सुचारू कराया गया।

साइबर ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश, छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया

रुद्रपुर/हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड एसटीएफ और काठगोदाम पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़े साइबर ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए हल्द्वानी क्षेत्र से छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी फर्जी वेबसाइट और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर लोगों को ठगने का काम कर रहे थे। आरोपी ग्राम बासुली, अमृतपुर स्थित एक निर्माणाधीन होमस्टे में किराए पर रहकर ठगी का संचालन कर रहे थे।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि गिरोह इंटरनेट, व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिये सक्रिय था। वे विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते, सिम कार्ड और बार कोड स्कैनर जुटाकर साइबर धोखाधड़ी करते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से छह लैपटॉप, 23 मोबाइल फोन, नौ बैंक खातों की जानकारी, 17 एक्टिव सिम कार्ड, वाईफाई डिवाइस, एटीएम, चेकबुक आदि जब्त किए हैं। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी करोड़ों रुपये की साइबर ठगी कर चुके हैं। सेंटर संचालक जतिन पांडे, निवासी अमृतपुर रानीबाग को इस गिरोह का मुख्य आरोपी बताया गया है। पूछताछ में जतिन ने बताया कि उसे हल्द्वानी निवासी प्रियांशु और सचिन नामक युवकों ने इस नेटवर्क से जोड़ा है। इसके बाद उसने बाकी युवकों को 20-25 हजार रुपये मासिक वेतन पर टीम में शामिल कर लिया। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में कमल किशोर, निवासी जाड़ापानी, हर्ष बोरा, निवासी गौलापार, कौशल किशोर, उर्फ आशीष ठाकुर, निवासी कन्नौज (उ.प्र.), प्रेम कुमार, और करन केवट, निवासी धौलाखेड़ा, हल्द्वानी शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ कुमाऊं क्षेत्र में अब तक 12 से अधिक शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं।

एएसपी स्वप्न किशोर, सीओ अंकुश मिश्रा और सीओ आरबी चमोला के पर्यवेक्षण में गठित टीम ने काठगोदाम थाना पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की। फिलहाल सभी आरोपियों पर साइबर ठगी, फर्जी दस्तावेज और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच जारी है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की भी तलाश कर रही है।

जिला पुलिस का ऑपरेशन,लाखों की स्मैक के साथ दंपति समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

जनपद में नशे के सौदागरों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के दौरान नानकमत्ता पुलिस ने लाखों कीमती स्मैक के साथ महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। नानकमत्ता पुलिस की टीम नगला इलाके में गश्त कर रही थी। तभी राजस्थान नंबर की संदिग्ध आई-20 कार आरजे 13 सीबी 1356 को देखा। कार में दो महिलाएं, एक पुरुष और एक मासूम 5 साल की बच्ची भी थी। पुलिस ने कार को रुकवाया। पुलिस को तीनों की तलाशी लेने पर 50 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में तीनों ने अपना नाम गोविंदर सिंह ,राजविंदर कौर पत्नी गोविंदर सिंह निवासी नगला, नानकमत्ता, विमला कौर निवासी नगला, नानकमत्ता बताया। पूछताछ में गोविंदर और राजविंदर ने कबूला किया कि वह यह स्मैक पचपेड़ा भट्टा से लाए थे। सबसे चौंकाने वाला खुलासा ये हुआ कि वे अपनी 5 साल की मासूम बच्ची को जानबूझकर साथ रखते थे ताकि पुलिस या किसी को उन पर शक न हो। इस कार्रवाई में एसआई संजय कुमार,एसआई मनोज जोशी,प्रकाश चंद्र, नवीन जोशी, धनराज, शुभम सैनी, महिला कांस्टेबल विद्या आदि शामिल रहे।

विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

अहमदाबाद, गुजरात में हाल ही में हुई विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए शुक्रवार को मल्लीताल पंत पार्क में नगरवासियों द्वारा एक शोक सभा आयोजित की गई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगरवासी, समाजसेवी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। सभी ने मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों के साथ अपनी संवेदनाएं साझा कीं। इस दौरान विधायक सरिता आर्या, शांति मेहरा , विमला अधिकारी, अरविंद पडियार , भागवत रावत, गजाला कमाल, लता दफोटी , गीता उप्रेती ,आशा आर्या , शीतल कटियार, आनंद बिष्ट, विक्रम रावत, संतोष कुमार , ज्योति ढोंडियाल, कविता गंगोला, अरुण कुमार, विक्रम रावत, हरीश सिंह राणा, आशीष बजाज, शैलेंद्र बर्गली, पंकज जोशी, दीपक बिष्ट, डॉ मनोज बिष्ट, उमेश बिष्ट, चंदन जोशी, धर्मेंद्र शर्मा, राजीव साह, तारा बोरा, दया बिष्ट, गोपी, मोहित रौतेला, विपिन कुमार, राजेश, भारत सिंह मेहरा, विकास जोशी, शैलेंद्र बिष्ट, युवराज, राधा खोलिया, कैलाश रौतेला, मीरा बिष्ट, कविता त्रिपाठी, लक्ष्मण नेगी, गणेश राणा, पुष्प कार्की समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आय से अधिक संपत्ति मामले में कैबिनेट मंत्री से मांगा जवाब

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी पर बागवानी, जैविक खेती, विदेशी दौरों और निर्माणाधीन सैन्य धाम के निर्माण में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। कोर्ट ने मंत्री गणेश जोशी को 23 जुलाई तक अपना पक्ष रखने को कहा है। हाईकोर्ट ने उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी पर बागवानी, जैविक खेती, विदेशी दौरों और निर्माणाधीन सैन्य धाम के निर्माण में गड़बड़ी और अनियमितता के आरोपों सहित आय से अधिक संपत्ति के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई की।

मंकी बाइट के केस में दिख रही लगातार बढ़ोत्तरी

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी नैनीताल में कुत्तों के काटने के मामलों के साथ ही लगातार लंगूर बंदरो के आतंक में वृद्धि देखने को मिल रही है। विगत माह की तुलना में लगातार मंकी बाइट के केस में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। शहर में एक तरफ जहां कुत्तों का आतंक देखने को मिलता है वही अब लंगूर बंदरो के काटने के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बीते महीनों में डॉग बाइट के साथ ही लगातार लंगूर बंदरों के काटने पर इंजेक्शन लगाने अस्पताल पहुंच रहे लोगों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

इस वर्ष जनवरी माह में कुल 144 लोगों ने कुत्ते के काटने पर रेबीज का इंजेक्शन लगाए वही फरवरी में 144, मार्च में 173, अप्रैल में 146 और मई में कुल 146 लोगों को कुत्तों ने काटा। वहीं मंकी बाइट के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है। जनवरी माह में जहां 6 लोगों को बंदरो ने काटा वही फरवरी में कुल 10 लोगों को बंदरों ने काटा, मार्च में 22 लोग बंदर के काटने पर इंजेक्शन लगाने अस्पताल पहुंचे, अप्रैल माह में कुल 14 लोगों को बंदरो ने काटा और मई में कुल 30 लोगों ने बंदर के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई। इंजेक्शन कक्ष में मौजूद सूरज बिष्ट ने बताया कि बीते महीनों में मंकी बाइट के मामलों में लगातार बढ़ौतरी देखने को मिली है। इन दिनों अस्पताल में प्रतिदिन 5 से 6 मामले एंटीरेबीज इंजेक्शन लगाने पहुंच रहे हैं। जिसमें डॉग बाइट, मंकी बाइट और कैट बाइट के साथ रैट बाईट समेत अन्य मामले भी शामिल हैं।

संगीतमय भजनों के साथ माता की चौकी का भव्य आयोजन किया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

भक्तिभाव श्रद्धा सबुरी एवं संगीतमय भजन प्रस्तुतियों के अनोखे संगम के साथ सरोवर नगरी नैनीताल में माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया। लेक सिटी वेलफेयर क्लब की पहल पर शुक्रवार को सेंट्रल होटल में समिति की वरिष्ठ सदस्य अमिता शाह के सहयोग से माता की चौकी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में कुमाऊँ के बप्पी लहरी के नाम से विख्यात रुद्रपुर के भजन गायक गगन ग्रोवर की टीम द्वारा आकर्षक झांकियों सहित हिन्दी, पहाड़ी एवं पंजाबी भजनों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। भजनों के दौरान मन में बसी तेरी मूरत,ओ मैया मे उतारू तेरी आरती के साथ मैया के भजन तथा भक्त शिरोमणि हनुमान तथा प्रभु राम को समर्पित भजन जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे भजन गाए गए। इस अवसर पर श्री कपिलदेव महाराज के परम सानिध्य में विशिष्ट आगंतुकों के रूप में किशोर चंदोला, आशीष बजाज दीप पांडे, सहित सभासदों भगवत रावत, सपना बिष्ट, गीता उप्रेती, काजल आर्या, लता दफोटी, गजाला खान, रेश्मा टण्डन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक के रूप में अपर जिलाधिकारी फिंचाराम चौहान की धर्मपत्नी उर्मिला चौहान के मार्गदर्शन एवं सानिध्य में मुख्य यजमान के रूप में क्लब की निवर्तमान सचिव दीपा पांडे एवं उनके पति डॉ. हिमांशु पांडे द्वारा योगदान दिया गया। साथ ही अध्यक्ष आभा साह, सचिव सरिता त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष रमा भट्ट, संरक्षक ज्योति ढ़ोडियाल, कॉर्डिनेटर रानी साह, उपाध्यक्ष डॉ.पल्लवी, गीता साह, कविता गंगोला जीवंती भट्ट, विनिता पांडे, सीमा सेठ, मीनाक्षी कीर्ति, कविता त्रिपाठी, रेखा पंत, संगीता श्रीवास्तव, कंचन जोशी, अमिता साह, अमिता शेरवानी, जया वर्मा, प्रेमा अधिकारी, ज्योति वर्मा, प्राची आर्या, रमा तिवारी, नीलम गुप्ता, दया कुँवर, सविता कुलोरा, मधुमिता, तनप्रीत, वंदना जोशी, भावना साह, सरस्वती सिराला, दिव्या साह, भारती साह समेत अन्य लोग रहे।